SET B

Name of the course: CBCS B.A. (Hons) Economics **Semester VI**
Name of the paper: Political Economy II (DSE)
UPC: 12277601
Time: 3 hours **Maximum Marks: 75**

Attempt any four questions. All questions carry equal marks.
Note that Questions 4, 5 and 6 also have internal choice.
किन्ही चार प्रश्नों का उत्तर दें। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।
ध्यान दें कि प्रश्न 4, 5 और 6 में आंतरिक विकल्प भी हैं।

1. Why has Fordism often been called a regime? What led to the crisis in the Fordist regimes and their eventual decline?

   फोर्डिज्म को अक्सर एक शासन क्यों कहा गया है? फोर्डिस्ट शासनों में संकट और उनके अंततः गिरावट की क्या वजह रही?

2. Discuss the different prototype global value chain governance patterns and the three key factors, which interact with each other to produce these outcomes. Are these value chain governance patterns static in each particular industry? Give reasons and use the examples from any one industry to substantiate your answer.

   विभिन्न प्रोटोटाइप वैश्विक मूल्य श्रृंखला शासन के पैटर्न और उनके तीन प्रमुख कारकों पर चर्चा करें, जो इन अपने परस्पर प्रभावों से इन परिणामों को उत्पन्न करते हैं। क्या ये मूल्य श्रृंखला शासन पैटर्न प्रत्येक उद्योग में स्थिर हैं? अपने उत्तर की पुष्टि करने के लिए कारण दें और किसी एक उद्योग से उदाहरण दें।

3. Discuss the different dimensions in which gender operates in the context of economic globalization.

   आर्थिक वैश्वीकरण के संदर्भ में लिंग के प्रचलन के विभिन्न आयामों पर चर्चा करें।

4. (a) While neoliberal ideology projects individual freedom and minimal role of state as its central tenets, its ultimate consequences are often to fall back on social conservatism, authoritarianism and aggressive nationalism. Do you agree with the above statement? Discuss.
   OR
   (b) Discuss David Harvey's view that the spread of neoliberalism, however unevenly, in different countries across the world was essentially a process of restoration and consolidation of class power.

   (क) जबकि नवउदारवादी विचारधारा व्यक्तिगत स्वतंत्रता और राज्य की न्यूनतम भूमिका को

अपने केंद्रीय सिद्धांतों के रूप में पेश करती है, इसके अंतिम परिणाम अक्सर सामाजिक रूढ़िवाद, सत्तावाद और आक्रामक राष्ट्रवाद पर निर्भरता होते हैं। क्या आप उपरोक्त कथन से सहमत हैं? चर्चा करें।

अथवा

(ख) डेविड हार्वे के इस विचार पर चर्चा करें कि दुनिया भर के विभिन्न देशों में नवउदारवाद का प्रसार, चाहे असमान रूप से, अनिवार्यतः वर्ग शक्ति की बहाली और समेकन की एक प्रक्रिया थी।

5. (a) "Democracy and equity are important not only as ends in themselves, but also as means to environmental protection" (Robert Boyce). Discuss the above quote along with an explanation of the concept of power weighted social decision rule.

OR

(b) Explain the phenomenon referred to as the "Finacialisation of the global economy" and summarily discuss its various facets. What are the social consequences of this phenomenon?

(क) ''जनतंत्र और न्याय सम्यता की ज़रूरत खुद में ही लक्ष्य के रूप में तो है ही, पर्यावरण संरक्षण के साधन के रूप में भी है'' (रॉबर्ट बॉयस)। शक्ति भारित सामाजिक निर्णय नियम की अवधारणा की व्याख्या के साथ उपरोक्त कथन पर चर्चा करें।

अथवा

(ख) "वैश्विक अर्थव्यवस्था के वित्तीयकरण" कहलाए जाने वाली स्थिति को स्पष्ट तरह से समझाऐं और इसके विभिन्न पहलुओं पर संक्षेप में चर्चा करें। इस स्थिति के सामाजिक परिणाम क्या हैं?

6. (a) Explain how operations of Multinational Corporations (MNCs) create global hierarchies and uneven development.

OR

(b) What are the broad similarities and differences between the two distinct phases of globalization – the contemporary period and the one in the last half of the 19^{th} century? Discuss the challenges faced by the Trade Unions and the labour movement in the contemporary phase of globalization.

(क) बताएं कि बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी) का संचालन किस प्रकार वैश्विक पदानुक्रम और असमान विकास को बढ़ावा देता है।

अथवा

(ख) समकालीन समय में और 19वीं शताब्दी के बीच में शुरू हुए वैश्वीकरण के दो अलग–अलग चरणों के बीच व्यापक समानताएं और अंतर क्या हैं? वैश्वीकरण के समकालीन चरण में ट्रेड यूनियनों और श्रमिक आंदोलन के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें।